राठौड़-तेली समाज समिति बूंदी के दिवाली मिलन समारोह में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

जय मां कर्माबाई। राठौड़-तेली समाज समिति बूंदी के तत्वाधान में आयोजित राठौड़ समाज के दिवाली मिलन समारोह, युवक-युवती सम्मेलन में आप सबसे मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। यह राठौड़ -तेली समाज, एक मेहनतकश समाज है। इन्होंने अपने प्राचीनतम जीवन के अंदर भी अपनी मेहनत से, अपनी कर्म-कुशलता से एक स्थान समाज में बनाया है।

आज यही राठौड़ -तेली समाज देश की ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। इस समाज के कई लोगों ने सामाजिक, आर्थिक, विज्ञान और राजनीति के क्षेत्र में नेतृत्व किया है और भारत का गौरव और सम्मान बढ़ाया है। इसी समाज ने आज बदलते भारत के अंदर अपनी मेहनत, ईमानदारी और कर्म कुशलता के कारण देश को बहुत बड़ा योगदान दिया है। मेरा इस समाज से बड़ा नजदीक का संबंध है। मैंने छात्र जीवन से लेकर सामाजिक और राजनीतिक जीवन में देखा है कि यह समाज लगातार प्रगतिशील रहा है, सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना, समाज में नए परिवर्तन करना, नए युग की शुरूआत करना और हमारी प्राचीन संस्कृति को जीवंत रखना, इस समाज ने बखूबी इसे निभाया है।

हम अपनी संस्कृति-संस्कारों को आगे लेकर आधुनिकता के समय भी किस तरीके से हमारे नौजवान आगे बढ़ें, हमारे युवक-युवती सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में आगे बढ़ें, इसके लिए समाज सामूहिकता से काम करता है। आज मैं देख रहा हूं कि मेरे सामने कई नौजवान हैं, जिन्होंने शिक्षा और बौद्धिक क्षमता से, आज चाहे स्कूल हो, चाहे कॉलेज हो, चाहे टेक्निकल कॉलेज हो, चाहे डॉक्टर हो या चाहे आईएएस हो, हर क्षेत्र में कहीं न कहीं प्रगति की है। हमें और प्रगति करने की आवश्यकता है।

यह दिवाली मिलन समारोह हमारी इसी संस्कृति का प्रतीक है कि हम सब मिलकर एक साथ, सामूहिकता के साथ समाज में काम करते हैं, एक छत के नीचे बैठकर चर्चा करते हैं, संवाद करते हैं और किस तरीके से सामाजिक परिवर्तन हो, इसके लिए समय-समय पर युवक-युवती परिचय सम्मेलन और सामूहिक विवाह सम्मेलन भी करते हैं। इसी के साथ हम छोटी-छोटी बचत करके किस तरीके से आर्थिक स्वावलंबन और आत्मनिर्भर भारत

की एक अनूठी मिसाल देने का काम करते हैं कि किस तरीके से छोटी बचत करें और उस बचत को फिर आने वाले समय के अंदर हमारे व्यापार में, हमारे उद्योग में, जब कभी तत्कालीन कोई सामाजिक आवश्यकता उस समय आए, तो उस समय उसका उपयोग करें, इसका भी आपने एक मॉडल खड़ा किया है। मैं इसके लिए समाज के सभी पदाधिकारियों को साधुवाद देता हूं, बधाई देता हूं।

मुझे खुशी है कि आपने यह विचार किया कि यहां पर समाज के लिए एक छात्रावास बनना चाहिए, ताकि हम इस छात्रावास के भवन के अंदर बैठकर हमारे दूर-दराज के गांवों से आने वाले बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकें, अच्छे संस्कार दे सकें, सामाजिक कार्यक्रम कर सकें। कोटा में भी राठौड़ -तेली समाज का, उस समय, जब किसी समाज का छात्रावास बनना शुरू नहीं हुआ था, उस समय सबसे पहले राठौड़ -तेली समाज के छात्रावास का निर्माण हुआ था। उसके उद्घाटन में भी मैं गया था और लोकार्पण में भी गया था।

मुझसे कुछ नौजवानों ने कहा कि उसके लिए आर्थिक सहायता की जरूरत है। मैंने उनसे कहा कि आप निश्चिंत होकर भवन बनाइए, मैं आपके साथ हमेशा खड़ा हूं। जो भी मुझसे हो सकता है, मैं निश्चित रूप से उसमें सहयोग करूंगा, क्योंकि आप एक अच्छे काम के लिए, छात्रावास के लिए इस भवन का निर्माण कर रहे हैं और उसमें सबका सहयोग होना चाहिए। सब अपनी ओर से एक-एक ईंट लगाएं, जितना, जो भी सक्षम हो, उतना लगाए। धन से कोई कितना भी सक्षम हो जाए, जब तक वह अपना कमाया धन समाज को समर्पित नहीं करेगा, तब तक उसको समाज में मान्यता मिलने वाली नहीं है।

भौतिक संसाधन और भौतिक युग का एक युग होता है, लेकिन अच्छा समय तो आध्यात्मिक धर्म का ही होता है। जो अध्यात्म और धर्म की ओर बढ़ जाए, वह मानता है कि यह धन मेरा नहीं है, समाज का है और वह उस धन को समाज को समर्पित कर देता है।

मैं आज पुन: आप सबको दिवाली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं, बधाई देता हूं। युवक-युवती परिचय सम्मेलन में आप सब समाज के बंधु एक साथ बैठेंगे, चर्चा करेंगे, बड़े बुजुर्ग बैठेंगे, आपस में सामाजिक बंधन में बंधने की प्रक्रिया शुरू होगी। अगर समाज में यह प्रक्रिया नहीं रही, तो आने वाले समय में कम्प्यूटर और मेरिज-डॉट-कॉम से शादियां होने लग जाएंगी और उसके परिणाम अच्छे नहीं निकले हैं। उसके परिणामों का असर भी आपने देखा

होगा कि कुछ दिनों बाद ही शादी के बंधन टूटने लगते हैं। लेकिन एक छत के नीचे जब समाज के बड़े बुजुर्ग बैठते हैं, तो सामाजिक बंधन बनते हैं और जो बंधन बनते हैं, वे रिश्ते अटूट होते हैं।

आपने देखा होगा कि कोई पुराना बंधन, कोई पुराना रिश्ता कभी टूटता नहीं है, क्योंकि उस समय वह बंधन बांधने वाले समाज के बुजुर्ग गवाह होते थे, उनकी शर्म होती थी, लिहाज होता था। इसके कारण ये बंधन मजबूत होते थे। मुझे आशा है कि आज समाज ने इस नई दिशा की ओर कदम बढाए हैं। मैं आपके सामूहिक विवाह सम्मेलन में गया हूं, युवक-युवती परिचय सम्मेलन में गया हूं। मैं आपके अध्यक्ष श्री युवराज राठौर जी एवं पदाधिकारियों की पूरी टीम को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। आप यकीन मानिए, मैं हमेशा आप सबके साथ हूं, मुझे विधायक बनाने में आपका आशीर्वाद रहा, सांसद बनाने में आपका आशीर्वाद रहा और फिर लोक सभा अध्यक्ष बनाने में भी आपका आशीर्वाद रहा।

अत:, आपका आशीर्वाद, प्यार और स्नेह तो मेरे साथ हमेशा ही है और आपका यही आशीर्वाद, प्यार और स्नेह मेरी सबसे बड़ी ताकत है। मुझे सबसे बड़ी शक्ति मिलती है, तो आप लोगों से मिलती है। आपका प्यार, स्नेह और विश्वास इसी तरीके से बना रहे।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।